वानिकी समाचार

भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

वर्ष 13 सं. 8 अगस्त 2021

आजादी का अमृत महोत्सव

जैवविविधता एवं जलवायु परिवर्तन पर प्रशिक्षण

बांस प्ररोह प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन पर प्रशिक्षण

ग्रामीणों हेतु पर्यावरण जागरुकता अभियान कार्यक्रम

पर्यावरण प्रतियोगिता के अंतर्गत "हरित अभिनव विचार" पर वेबिनार

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
आजादी का अमृत महोत्सव	01
महत्त्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	02
कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / बैठकें	03
प्रदर्शनी	03
प्रशिक्षण कार्यक्रम	05
समझौता ज्ञापन	06
प्रकृति कार्यक्रम	06
जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	07
पेटेंट	07
बांस वाटिका की स्थापना	07
आकाशवाणी के माध्यम से वानिकी का प्रचार	07
विविध	07
मानव संसाधन समाचार	08

- वीईटीआरई (वालंटरी ऑर्गनाइज़ेशन फॉर पीपल एंड फॉर द एम्पॉवरमेंट ऑफ रुरल एरियाज बाय यूथ), तिरुपुर के सहयोग से व.आ.वृ.प्र.सं. के वन विज्ञान केंद्र (वीवीके), कोयम्बत्तूर ने 14 अगस्त 2021 को "पवनरोधी कृंतक आधारित कृषि वानिकी प्रणाली" विषय पर प्रशिक्षण एवं क्षेत्र प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में 40 किसानों, वीईटीआरई के स्वयंसेवकों तथा कृषि विभाग, तिरूपुर के अधिकारियों ने भाग लिया।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने 18 अगस्त 2021 को "भारतीय संविधान के विकास एवं मूलभूत संरचना" पर वार्ता का आयोजन किया। कार्यक्रम में सभी कार्मिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया।
- उ.व.अ.सं., जबलपुर ने 2 से 8 अगस्त 2021 तक "जैवविविधता एवं जलवायु परिवर्तन" पर वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में 63 वैज्ञानिकों एवं तकनीकी कर्मचारियों ने भाग लिया।
- व.व.अ.सं., जोरहाट ने 17 से 19 अगस्त 2021, तक "बांस प्ररोह प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन" पर बांस तकनीक सहायता समूह– भा.वा.अ. शि.प. द्वारा प्रायोजित कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया।
- हि.व.अ.सं., शिमला ने 27 अगस्त 2021 को 'ग्रामीणों हेतु पर्यावरण जागरुकता अभियान' कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में राझना पंचायत, शिमला के पंचायत प्रधान, उप प्रधान तथा वार्ड सदस्यों सहित लगभग 25 ग्रामीणों ने भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची ने 12 अगस्त 2021 को "स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात वनोत्पाद द्वारा ग्रामीण जीविकोपार्जन में वानिकी की भूमिका" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- व.जै.सं., हैदराबाद ने 30 अगस्त 2021 को व.जै.सं. परिसर में स्वच्छ भारत अभियान का संचालन किया। 31 अगस्त 2021 को व.जै.सं. कर्मचारियों के लिए एक भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।
- व.अ.के., प्रयागराज ने दसवीं से बारहवीं कक्षा के स्कूली बच्चों के लिए 19 अगस्त 2021 को पर्यावरण प्रतियोगिता के अंतर्गत "हरित अभिनव विचार" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

महत्त्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- प्रयोगशाला में ऑल्फैक्टोमीटर के साथ होपलो भृंग के दोनों लिंगों में जैव आमापन हेतु छह कैरोमोन आधारित नमूनों का परीक्षण किया गया। टिमली वन परिक्षेत्र में बिछाए गए मैकेनिकल ट्रैप वाड में वयस्कों के आकर्षण पर प्रयोग किया गया और आकर्षण पर डेटा दर्ज किया गया। प्रयोगशाला में कीट पालन तथा नर एवं मादा शृंगिका पर रसाग्राही की प्रचुरता पर कार्य प्रगति पर है। *हॉप्लोसेरैम्बिक्स स्पिनिकोर्निस* के महामारी व्यवहार ने कालसी वन प्रभाग के अंतर्गत टिमली वन परिक्षेत्र में लार्वा के भक्षण द्वारा प्रकाष्ठ को नष्ट किया।
- सोनानदी वन्यजीव अभयारण्य (पौड़ी जिला) में शिवालिकों के ऊपरी इलाकों, पावलगढ़ संरक्षण रिजर्व के तराई क्षेत्र और नंधौर वन्यजीव अभयारण्य (नैनीताल जिला), उत्तराखंड में एक सप्ताह तक शलभों का क्षेत्र नमूना सर्वेक्षण किया गया। शलभ के नमूने और संग्रह के लिए सीएफएल लैंप सहित एक मोथ स्क्रीन का उपयोग किया गया। प्रति दिन घंटों (सायं 7:30 बजे से 10:30 बजे) तक शलभों के नमूने लिए गए। 8 कुलों से संबंधित शलभों की 51 प्रजातियों को दर्ज किया गया और 15 नमूनों को संरक्षित किया गया। कुंजियों, पुस्तकों और चित्रों की सहायता से शलभों का अभिज्ञान किया गया। शलभ डेटाबेस को 10 कुलों की 127 प्रजातियों के साथ अद्यतन किया गया।
- "कांजीलाल की चकराता, देहरादून और सहारनपुर वन प्रभाग, उत्तर प्रदेश की वन वनस्पतिजात के संशोधन" के लिए पादपों की 25 प्रजातियों तथा "ओस्मास्टन की कुमाऊं के वन वनस्पतिजात के संशोधन" के लिए पादपों की 30 प्रजातियों की नामावली का अद्यतनीकरण एवं विवरण किया गया।
- पीलीभीत वन प्रभाग, उत्तर प्रदेश के लिए क्षेत्र दौरे के दौरान पांच वन आनुवंशिक संसाधन प्राथमिकता वाली प्रजातियों के लिए कई वन आनुवंशिक संसाधन प्रजातियों का प्रलेखपोषण किया गया और पुनर्जनन डेटा दर्ज किया गया।
- व.अ.सं. बांस वाटिका और वनस्पतिक उद्यान से *शिजोस्टायूम पेरग्रासिल* का आकारमितीय डेटा एकत्र किया गया। अग्रेतर प्रक्रिया के लिए *बैम्बुसा बम्बोस* की ताजी पत्तियों से डीएनए का निष्कर्षण किया गया। विभिन्न स्रोतों से विभिन्न प्रजातियों के पुष्पण डेटा एकत्र किए गए।
- *ओरोजाइलम इंडिकम* को डीडी पादपालय में शामिल किया गया। *ओ. इंडिकम* के जननद्रव्य संरक्षणशाला के निर्माण के लिए व.अ.सं. परिसर में *ओरोजाइलम इंडिकम* के 250 नवांकुरों का रोपण किया गया।
- केम्प्टी जलसंभर के वर्षा के वार्षिक डेटा के विश्लेषण से प्रकट हुआ कि वर्षा के 95 दिनों में कुल वार्षिक वर्षा 2597 मिमी थी। अगस्त, 2020 में प्रति माह अधिकतम वर्षा दिवस (22) सहित अधिकतम वर्षा (940 मिमी) देखी गई। मानसून में अधिकतम वर्षा (1663 मिमी) हुई, जो वार्षिक वर्षा का 64% है। वर्ष 2020 के दौरान उत्पन्न कुल अपवाह कुल वर्षा का 770 मिमी (30%) था, जो या तो प्रत्यक्ष अपवाह 538 मिमी (21%) या आधार प्रवाह 233 मिमी (9%) था। मानसून के दौरान अधिकतम अपवाह (465.59 मिमी) दर्ज किया गया, जो कुल अपवाह का 60% था जबकि गर्मी के दौरान न्यूनतम अपवाह (135.31 मिमी) दर्ज किया गया जो कुल अपवाह का 18% था। मानसून के दौरान धारा निर्वाह में आधार प्रवाह और प्रत्यक्ष अपवाह योगदान क्रमशः 41% और 69% था।
- डीपीपीएच मुक्त मूलज आमापन का उपयोग करते हुए *क्यूप्रेसस टोरूलोसा* के पर्णों से पृथक सगंध तेल की एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि की गई और मध्यम मुक्त मूलज अपमार्जन गतिविधि दर्शाने के लिए तेल पाया गया।
- हिमाचल प्रदेश के 3 स्थानों से *नियोलिट्सिया* पेलन्स के पत्तों से सगंध तेल, *मैलोटस न्यूडिफ्लोरम* (असम में 10 स्थानों से), *पिथेसेलोबियम डल्स* (उत्तर प्रदेश के 1 स्थान से) और *प्रिंसिपिया यूटिलिस* (हिमाचल प्रदेश के 1 स्थान से) के बीज से वसायुक्त तेल का विगलन एवं निर्धारण किया गया। दो स्थानों से एकत्रित *प्रिंसिपिया यूटिलिस* के हिमशुष्कित और पीसे गए पत्तों का उनके *रसायनिक प्रोफाइलिंग* के लिए हेक्सेन, क्लोरोफॉर्म और 25% जलीय मेथनॉल का उपयोग करके अनुक्रमिक निष्कर्षण किया गया।
- अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं और वन आनुवंशिक संसाधन राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत हरियाणा के विभिन्न वन प्रकारों से एकत्रित वानिकी प्रजातियों के बीजों पर बीज गुणवत्ता परीक्षण किए गए। निम्नलिखित प्रजातियों के लिए लघु से मध्यम अवधि के भंडारण प्रोटोकॉल विकसित किए जा रहे हैं– *कैसिया फिस्टुला, कॉर्डिया डिकोटोमा, फाइकस बेंघेलेंसिस, लेजरस्ट्रोमिया पर्विफ्लोरा, मिमूसोप्स एलेंगी, मित्राझना पर्विफ्लोरा, पुत्रंजीवा रॉक्सबर्घी, स्केलीचेरा ओलियोसा, टर्मिनेलिया अर्जुन, टर्मिनेलिया बेल्लिरिका,* आदि।
- अपचायी शक्ति आमापन के उपयोग से *क्यूप्रेसस टोरुलोसा* की पत्तियों से विलगित 25% जलीय मेथनॉलिक सत्त की एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि की जांच की गई और सत्त एंटीऑक्सिडेंट रूप से सक्रिय पाए गए।
- तीन *टर्मिनेलिया* प्रजातियों यथा *टर्मिनेलिया* अर्जुना, *टी. चेबुला* और *टी. बेल्लिरिका* की अवस्थितियों तथा इन प्रजातियों की आबादी की रसायनिक जांच के लिए उनके चिह्नक यौगिकों का अभिज्ञान किया गया।
- रामनगर, नैनीताल, अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़ और चंपावत वन प्रभाग से *डेस्मोडियम गैंगेटिकम* और *डिप्लोक्नेमा ब्यूटिरेसिया* के जननद्रव्य का सर्वेक्षण तथा संग्रह किया गया।
- सुखी धाम (चंपावत वन प्रभाग), गुरना (पिथौरागढ़ के निकट), सत्शिलिंग, कनालिचिन्ना, दानिया मूनाकोट, लखुदियार, कोसी कटारमल, स्यानली द्वाराहाट, फरसाली का दौरा किया गया, तथा

प्रत्येक स्थल से *पाइरस पैशिया* और *फाइकस पाल्मेट* का आकारमितिय डेटा एकत्र किया गया और दस क्वाड्रेट्स निर्धारित किए गए।

- कृषि विज्ञान केन्द्र, काशीपुर के प्रायोगिक स्थल पर *डेण्ड्रोकैलामस स्ट्रीक्टस* और *बैम्बुसा वल्गारिस* के गुल्म की ऊंचाई, संख्या एवं व्यास सहित वृद्धि प्राचल दर्ज किए गए।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

बीकानेर और जैसलमेर जिलों में वन आनुवंशिक संसाधन प्रजातियों के भौगोलिक सूचना प्रणाली मानचित्रण एवं प्रलेखपोषण के लिए क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया। कुल 64 स्थलों का दौरा किया गया तथा *प्रोसोपिस सिनरेरिया, अकैशिया सेनेगल, कडाबा फ्रुटिकोसा, सल्वाडोरा ओलियोइड्स, सल्वाडोरा पर्सिका, कैलिगोनम पॉलीगोनोइड्स, अकैशिया जैक्ववेमोंटी, टैमरिक्स एफिला, मेटेनस इमर्जिनाटा, एफेड्रा फोलिएटा, मिमोसा हमाटा, क्लेरोडेण्ड्रम फ्लोमोइड्स* सहित 25 प्रजातियों को दर्ज किया गया। *क्लेरोडेण्ड्रम फ्लोमोइड्स* कृषि भूमि की सीमा पर पाया गया। *डल्बर्जिया सिस्सू* कृषि भूमि में रोपित पाया गया। अध्ययन किए गए 12 स्थलों में से 3 स्थलों पर *कॉमीफोरा विघटी, अकैशिया जैक्ववेमोंटी* तथा *सल्वाडोरा ओलियोइड्स* पुनर्जनित पाए गए।

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

एक्विलेरिया मैलेकेंसिस में अगरकाष्ठ के कृत्रिम संरोपण हेतु कवकी संरोप द्रव्य को विपणन के लिए "सशी इनोकुलेंट" ब्रांड नाम से जारी किया गया। यह उत्पाद तरल तथा पेस्ट के रूप में उपलब्ध है।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- लातेहार के चंदवा में आठ कृंतकों वाला एक कृंतकीय कैजुरीना परीक्षण स्थापित किया गया।
- *डी. हैमिल्टोनी, डी. स्ट्रीक्टस* और *बी. पॉलीमोर्फा* का पात्रे प्ररोह बहुगुणन प्राप्त किया। जड़न संवर्धन में प्ररोहों को भी डाला गया। रांची के मंदार में बांस का नया जननद्रव्य भण्डार स्थापित किया गया।
- उत्तर बंगाल, ओडिशा पहाड़ियों और भारत के अन्य हिस्सों से श्रेष्ठतर कृंतकों के अभिज्ञान एवं निर्मुक्तन हेतु *मीलिया डूबिया* जननद्रव्य का संग्रहण, संरक्षण एवं मूल्यांकन किया गया।
- कुटम गांव, तोरपा खूंटी में मीलिया आधारित वन–बागवानी मॉडल विकसित किया गया, जिसमें *मीलिया डुबिया* खेत में पपीता, मोरिंगा और *फ्लेमिंगिया सेमियालाटा* रोपित किया गया। मीलिया को 15x6 फीट की दूरी पर लगाया गया जिनके बीच बागवानी फसलों को लगाया गया।

प्रदर्शनी

संस्थान	प्रतिभागी	अवधि	स्थान
शु.व.अ.सं., जोधपुर	अल्यूरिंग राजस्थान – 2021	4–6 अगस्त 2021	इन्दर रेज़िडेंसी, उदयपुर

कार्यशालाएं / संगोष्ठी / बैठकें

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	लघु आवर्तन वानिकी हेतु वृक्ष सुधार में आनुवंशिक, प्रजनन एवं जैवतकनीकी अनुप्रयोगों पर वेबिनार	24 अगस्त 2021	पूरे भारत से प्रतिभागी
	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु		
2.	वन उत्पाद अनुसंधान, प्रशिक्षण और मानव संसाधन आवश्यकता मूल्यांकन की प्राथमिकता पर वेबिनार	13 अगस्त 2021	विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के अधिकारीगण

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

3.	सूक्ष्मजीवों के अभिज्ञान हेतु आण्विक उपकरणों एवं तकनीकों पर वेबिनार	13 अगस्त 2021	-
4.	संकर मोड में अरावली पुनर्वास हेतु डीपीआर के विकास पर बैठक (ऑफ़लाइन+ऑनलाइन)	25 अगस्त 2021	वैज्ञानिक, विभिन्न संस्थानों के शोधार्थी तथा राजस्थान एवं गुजरात वन विभाग के वन अधिकारी

"अल्यूरिंग राजस्थान 2021" में शु.व.अ.सं., जोधपुर ने भाग लिया

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

5.	अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक	24 अगस्त 2021	वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी, शोधार्थी

वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

6.	उत्तरजीविता सीमा पर संतुलनः बैक्टीरिया में टॉक्सिन–एंटीटॉक्सिन प्रणाली और पादप रोग के लिए इसके प्रभाव पर संगोष्ठी	30 अगस्त 2021	व.जै.सं. के अधिकारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	पर्यावरण प्रभाव आकलन और पर्यावरण प्रबंधन योजनाओं के विशेष संदर्भ में वन एवं वन्यजीव संरक्षण	9 से 12 अगस्त 2021	सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल), रांची के कार्यकारी
2.	शहरी जैव विविधता और पारितंत्र सेवाओं हेतु हरित स्थानों का प्रबंधन	23 से 27 अगस्त 2021	विभिन्न राज्य वन विभाग के भा.व.से. अधिकारी
	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु		
3.	वन आनुवंशिक संसाधनों के उपयोजन और विकास हेतु राज्य वन विभागों के लिए व्यावहारिक कदम	2 से 6 अगस्त 2021	भा.व.से. अधिकारी
4.	चंदनकाष्ठ की खेती एवं इसकी संभावनाएं	26 से 27 अगस्त 2021	पशुपालन, पुलिस, राजस्व, सीमा शुल्क, कृषि, बागवानी, न्यायपालिका के अधिकारी
	उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर		
5.	साल (*शोरिया रोबस्टा*) में साल अंतःकाष्ठ बेधक (*हॉप्लोसेरैम्बिक्स स्पिनिकोर्निस*) का प्रबंधन	5,6,7,10 व 11 अगस्त 2021	विभिन्न छत्तीसगढ़ राज्य वन विभाग के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी
	वन उत्पादकता संस्थान, रांची		
6.	औषधीय पादपों की खेती, प्रबंधन एवं प्रस्तुति	24 अगस्त 2021	पश्चिम बंगाल के वन विभाग कर्मचारी
7.	कृमिखाद का निर्माण एवं उपयोजन	25 अगस्त 2021	पश्चिम बंगाल के वन विभाग कर्मचारी

8.	पादपों के लिए सीड बॉल तकनीक	26 अगस्त 2021	पश्चिम बंगाल के वन विभाग कर्मचारी

औषधीय पादपों की खेती, प्रबंधन एवं प्रस्तुति पर प्रशिक्षण

पादपों के लिए सीड बॉल तकनीक पर प्रशिक्षण

वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

9.	सीड बॉल तकनीक	4 अगस्त 2021	ओडिशा वन विभाग के अधिकारी

समझौता ज्ञापन

- हि.व.अ.सं. और करियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी, टिक्कर–खर्वरियां, तहसील भोरंज, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश (भारत) के बीच 24 अगस्त 2021 को हि.व.अ.सं. में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य गुणवत्ता अनुसंधान को आगे बढ़ाने और अत्यधिक कुशल मानव संसाधन की नई पीढ़ी के निर्माण के लिए प्रस्तावित सहयोग का ढांचा प्रदान करना; हिमाचल प्रदेश के पर्यावरण, जैव–संसाधन, कौशल विकास, आजीविका के अवसर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, जैव–प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य एवं कल्याण जीवन शैली क्षेत्रों पर मुख्य ध्यान देने के साथ रोजगार और आर्थिक विकास के लिए पूरी तरह से नए अवसर प्रदान करना है।
- राज्य वन विभाग, जैसलमेर और शु.व.अ.सं. के बीच परियोजना एआईसीआरपी–17: वन में असंवहनीय चराई को कम करने के लिए चारे की उपलब्धता और गुणवत्ता में वृद्धि, तथा एआईसीआरपी–24: भारत के निम्नीकृत शुष्क भूमि और मरुस्थल में वनस्पति आवरण और लोगों की आजीविका की संवृद्धि द्वारा मरुस्थलीकरण का प्रतिरोध के अंतर्गत भूमि आवंटन के संबंध में 12 अगस्त 2021 को जैसलमेर में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रकृति कार्यक्रम

- व.अ.सं., देहरादून ने "प्रकृति" कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय के शिक्षकों और प्राचार्यों के लिए "जैवविविधता संरक्षण" पर वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में शिक्षकों और प्राचार्यों सहित 335 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबत्तूर ने "ऑनलाइन नॉलेज सीरीज़– प्रकृति–नेचर कनेक्ट प्रोग्राम" के भाग के रूप में 14 अगस्त 2021 को "लाभकारी सूक्ष्मजीव" विषय पर, 21 अगस्त 2021 को "पादप एवं वृक्षों में विभिन्नता" विषय पर तथा 28 अगस्त 2021 को अपशिष्ट से किचन गार्डन को बढ़ावा देने के विषय पर वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में सीयूबीई संगठन, सिंगनल्लूर, कोयंबत्तूर के कुल 92 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 5 अगस्त 2021 को प्रकृति कार्यक्रम के अंतर्गत शु.व.अ.सं., जोधपुर और केंद्रीय विद्यालय नंबर 2 उदयपुर के बीच बैठक का आयोजन किया गया। उन्हें विद्यालय के पुस्तकालय के लिए शु.व.अ.सं. की विस्तार सामग्री प्रदान की गई। विद्यालय के कर्मचारियों को रोपण तकनीक का भी प्रदर्शन किया गया।

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 10 अगस्त 2021 को वन विज्ञान केंद्र, गोट्टीपुरा, होस्कोटे जिला, कर्नाटक में "कृषिवानिकी मॉडल" पर प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया।

पेटेंट

का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु को 11 जून 2018 से 20 साल की अवधि के लिए शुद्ध चंदनकाष्ठ और अन्य सगंध तेलों के विभेदन के लिए सरल और रैपिड इंफ्रा–रेड (आईआर) स्पेक्ट्रम आधारित अभिज्ञान विधि नामक आविष्कार के लिए एक पेटेंट प्रदान किया गया।

बांस वाटिका की स्थापना

भा.कृ.अ.नु.प.–भा.मृ.ज.सं.सं., पंचकूला के फार्म में बांस वाटिका की स्थापना के लिए 18 बांस प्रजातियों का रोपण किया गया। पीएयू लाडोवाल, लुधियाना के बीज फार्म में 11 बांस प्रजातियों की स्थापित रोपणियों का अनुरक्षण जारी रखा गया।

आकाशवाणी/दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी का प्रचार

कार्यक्रम विषय	चैनल	दिनांक
वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
बांस संरक्षण एवं इसका उपयोजन	आकाशवाणी, जोरहाट	27 अगस्त 2021
आधुनिक चिंतने बन शिल्प	आकाशवाणी, डिब्रूगढ़	30 अगस्त 2021

विविध

संस्थान	विशेष दिन/विषय	अवधि
उ.व.अ.सं., जबलपुर; हि.व.अ.सं., शिमला एवं व.उ.सं., रांची	गाजरघास जागरूकता सप्ताह	16 से 22 अगस्त 2021

उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा गाजरघास जागरूकता सप्ताह मनाया गया

व.उ.सं., रांची द्वारा गाजरघास जागरूकता सप्ताह मनाया गया

मानव संसाधन समाचार

नियुक्ति (प्रतिनियुक्ति)

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री राजेश कुमार डोगरा, भा.व.से. (तमिलनाडु:1991), उप महानिदेशक (प्रशासन), भा.वा.अ.शि.प., देहरादून	16.08.2021

संप्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री एस. सेंतिल कुमार, भा.व.से. (जम्मू–कश्मीरः 2005), वन संरक्षक, कोयम्बत्तूर	19.08.2021

सरंक्षकः
श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडलः
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार), सदस्य

प्रत्याख्यान
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।